As per the NEP 2020

B.A. Hindi

(Effective from Academic Year 2024-2025 onwards)

Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University Sikar
(Rajasthan) 307026
E-mail: reg.shekhauni@gmail.com
Website: www.shekhauni.ac.in

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University
Sikar

Semester -I

उदेश्य (Objectives)

1. विद्यार्थियों को आदिकाल एवं भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक आदि परिस्थितियों से अवगत कराना।
2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य तथा कवियों से परिचय कराना।
3. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य के स्वरूप, भाषा एवं शैली की विकास यात्रा से अवगत कराना।
4. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की भाषा और संवेदनाओं को स्पष्ट करना।
5. विद्यार्थियों में संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन परिवेशः राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, आदि परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्यिक ग्रंथों के आधार पर शोध की नवीन दृष्टि का विकास हो सकेगा।
3. आदिकाल एवं भक्तिकाल की सामान्य परिस्थितियों तथा विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।
4. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य परम्परा एवं कवियों की रचनाधर्मिता से परिचित हो सकेंगें।

Course Title:	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	**Course Code: 24BHL5101T**
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन परम्परा, काल विभाजन और नामकरण। आदिकालीन साहित्य की विशेषताएं एवं प्रवृत्तियां। भक्ति आंदोलन के उदय के कारण, भक्ति का स्वरूप, भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि, भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य।	**15**
इकाई II	चंदबरदाईः पृथ्वीराज रासो–संपादक हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह – कैमास करनाटी प्रसंग पद 1 से 5 विद्यापतिः विद्यापति पदावली– संपादक – शिवप्रसाद सिंह, पद 1 से 10 ढोला मारू रा दूहा : संपादक – नरोत्तम दास स्वामी, दोहा संख्या 119 से 130	**15**
इकाई III	कबीर (संपादक हजारी प्रसाद द्विवेदी), पद संख्या 160 से 170 जायसी ग्रंथावली (संपादक रामचंद्र शुक्ल) – नागमती वियोग खंड, पद संख्या 1 से 10	**15**
इकाई IV	तुलसीदास– कवितावली– उत्तरकांड 1 से 10 पद सूरदास – भ्रमरगीत सार (संपादक रामचंद्र शुक्ल) पद संख्या 21 से 30 मीरा (संपादक – विश्वनाथ त्रिपाठी) पद संख्या 1 से 10	**15**

सहायक पुस्तकें

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2	विद्यापति पदावली – संपादकः रामवृक्ष बेनीपुरी
3	चन्दबरदाई और उनका काव्य – विपिन बिहारी
4	संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – संपादकः हजारी प्रसाद द्विवेदी
5	कबीर – विजेन्द्र स्नातक
6	तुलसीदास (परिवेश और प्रदेय) – संपादकः मदनगोपाल गुप्त
7	भक्ति काव्य की परम्परा में मीरां – रमा भार्गव
8	महाकवि सूरदास– नन्ददुलारे वाजपेयी
9	जायसीः एक नई दृष्टि – रघुवंश
10	सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
11	मीरांबाई – परशुराम चतुर्वेदी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester -II

उदेश्य (Objectives)	1 हिन्दी कहानी और उपन्यास के उद्भव एवं विकास के इतिहास की जानकारी प्रदान करना। 2 प्राचीन कहानी कला और आधुनिक कहानी कला के ज्ञान में अभिवृद्धि करना। 3 कथा साहित्य के तत्त्वों एवं उनके महत्त्व की जानकारी प्रदान करना। 4 तत्कालीन परिवेश और संस्कृति की जानकारी प्रदान करना। 5 प्रमुख उपन्यासकार एवं उनके उपन्यासों से परिचित कराना। 6 कहानी के विभिन्न प्रकार एवं उनकी विशिष्टताओं से अवगत कराना। 7 प्रमुख कहानीकार एवं उनकी कहानियों के माध्यम से विभिन्न संवेदनाओं का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1 कहानी के विभिन्न प्रकार जैसे – आंचलिक, मनौवैज्ञानिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं पौराणिक कहानियों की पहचान करना सीख सकेंगें। 2 विभिन्न कहानी एवं उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाएं एवं मूल्यों का विकास हो सकेगा। 3 विभिन्न उपन्यासकार एवं प्रमुख कहानीकारों के प्रति सम्मान एवं आदर की भावना का विकास हो सकेगा। 4 कहानी कला के क्षेत्र में शोध के नवीन आयाम खुल सकेंगें। 5 कहानी लेखन के प्रति अभिरूचि का विकास हो सकेगा।

Course Title:	कथा साहित्य –हिन्दी कहानी एवं उपन्यास	Course Code: 24BHL5201T
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई I	हिंदी कहानीः हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास, विभिन्न कहानी आंदोलन एवं कहानीकार तथा प्रमुख हिंदी कहानियां। हिंदी उपन्यासः भारतीय उपन्यास की अवधारणा प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद एवं उनका युग प्रेमचंदोत्तर उपन्यासकार एवं प्रमुख उपन्यास।	15
इकाई II	कहानियां– माधव राव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था सुदर्शन – हार की जीत जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप प्रेमचंद – कफन	15
इकाई III	कहानियां– जैनेन्द्र कुमार – पाजेब भीष्म साहनी – चीफ की दावत शेखर जोशी – कोसी का घटवार उषा प्रियवंदा – वापसी धर्मवीर भारती – गुल की बन्नो	15
इकाई IV	उपन्यासः आपका बंटी – मन्नू भंडारी	15

सहायक पुस्तकें

1	हिन्दी कहानीः उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली–6
2	प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
3	हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास – लक्ष्मी नारायण लाल
4	कहानीः स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
5	उपन्यासकार प्रेमचंद – डॉ. सुरेश चंद्र गुप्ता
6	आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University, Sikar(Rajasthan)

Semester III

उदेश्य (Objectives)

1. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों का परिचय कराना।
2. काव्य गुण एवं काव्य दोषों की जानकारी प्रदान करना।
3. रीतिकालीन कविता की भाषा एवं कविता कला से परिचित कराना।
4. मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. रीतिकालीन काव्य कला को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।
2. काव्य सौन्दर्य परख करने की कला–कौशल और अभिरूचि का विकास हो सकेगा।
3. दरबारी संस्कृति एवं उसकी मनोवृत्ति को समझ सकेंगें।
4. साहित्य के प्रति अभिरूचि एवं संवेदनाओं का विकास होगा।

Course Title:	रीतिकालीन काव्य तथा काव्यांग विवेचन	Course Code: 24BHL6301T
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई I	रीतिकालः पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराएं) एवं प्रमुख कवियों का परिचय।	15
इकाई II	छंद ज्ञान– दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, उल्लाला, गीतिका, कवित्त, कुण्डलिया, मंदाक्रांता एवं वसंततिलका के लक्षण और उदाहरण। अलंकार ज्ञान – अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, दृष्टांत एवं उदाहरण के लक्षण और उदाहरण।	15
इकाई III	केशवदास (संक्षिप्त रामचंद्रिकाः संपादक लाला भगवान दीन, नागरी प्रचारिणी सभा काशी) लंका कांड – 1 से 10 देवः देव ग्रंथावली – संपादक हरि मोहन मालवीय पद – 1 से 10 भूषण ग्रंथावली – संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र पद–1 से 9	15
इकाई IV	बिहारी रत्नाकर (संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर) दोहा संख्या 1 से 25 घनानंद (संपादक – विश्वनाथ मिश्र) कवित्त संख्या 1 से 10	15

सहायक पुस्तकें

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2	काव्यांग दर्पण – डॉ. विजयबहादुर अवस्थी
3	रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
4	हिन्दी रीति साहित्य – डॉ. भागीरथ मिश्र
5	रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
6	केशवदास – संपादकः विजयपाल सिंह
7	रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
8	बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
9	घनानंद का श्रृंगार काव्य – रामदेव शुक्ल
10	रस सिद्धान्त – नगेन्द्र

Semester IV

उदेश्य (Objectives)

1. हिंदी नाटक एवं एकांकी का उद्भव एवं विकास की जानकारी से अवगत कराना।
2. एकांकी एवं नाटक के अंतर्सम्बन्ध की जानकारी प्रदान करना।
3. प्रमुख एकांकी और एकांकीकारों से परिचित कराना।
4. मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. नाटक एवं एकांकी के इतिहास का ज्ञान मिल सकेगा।
2. मानवीय मूल्यों एवं संवदेनाओं का विकास हो सकेगा।
3. विद्यार्थी नाटक एवं एकांकी की समीक्षा करने में समर्थ हो सकेंगें।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Course Title:	हिंदी गद्य – हिन्दी नाटक और रंगमंच	Course Code: 24BHL6401T
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई I	हिंदी नाटक और रंगमंच का परिचय (भारतीय रंगमंच एवं पाश्चात्य रंगमंच), हिंदी नाटक एवं एकांकी का उद्भव एवं विकास।	15
इकाई II	नाटकः लहरों का राजहंस – मोहन राकेश	15
इकाई III	एकांकी – ऊसर – भुवनेश्वर औरंगजेब की आखिरी रात – डॉ. रामकुमार वर्मा मकड़ी का जाला – जगदीश चंद्र माथुर	15
इकाई IV	एकांकी – हरी घास पर घंटे भर – सुरेंद्र वर्मा अंधकार और प्रकाश – उदय शंकर भट्ट लक्ष्मी का स्वागत – उपेन्द्रनाथ अश्क	15

सहायक पुस्तकें

1	हिन्दी एकांकी – सिद्धनाथ कुमार
2	आधुनिक हिन्दी नाटक – गिरीश रस्तोगी
3	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
4	आधुनिक नाटक के मसीहाः मोहन राकेश – गोविन्द चातक
5	हिन्दी एकांकी – डॉ. सिद्धार्थ कुमार
6	हिन्दी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मी नारायण लाल

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)